सेवा में

महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार

विषयः- लुहरी हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्रोजेक्ट से नुकसान के कारण इसका विरोध।

माध्यम :- एस० डी० एम० करसोग

मान्यवर

हिमाचल प्रदेश के जिला मण्डी, कुल्लू एवं शिमला में एक पन बिजली योजना प्रस्तावित है जिसको लुहरी प्राजेक्ट के नाम से जाना जाता है। इस प्रोजेक्ट से उपरोक्त तीनों जिलों को बहुत नुकसान है इसलिए लगभग 30,000 परिवार इसका विरोध करते हैं। जो नुकसान इस प्रोजेक्ट से होना है उनका ब्यौरा नीचे दिया जा रहा है :-

1. 38 किलामिटर लम्बी सुरंग निकलने से सुरंग के स्थान के सभी प्राकृतिक पानी के चश्मे सूख जाऐंगे जिससे इस क्षेत्र के लोगों को पानी की घोर समस्या उत्पन्न हो जाएगी और वहां के स्थाई 15,000 परिवारों को पानी की कमी के कारण विस्थापित होने के लिए विवश होना पडेगा।

2. सुरंग में ब्लास्टिंग के कारण धरती कांपेगी जिसके कारण घरों निजी भूमि एवं जंगल में दरारे आऐंगी। वर्षा से भूमि वह जाएगी तथा गांव के लोगों का जीवन संकट में पड जाएगा तथा उन्हें विस्थापित होकर दूसरी जगह जाना पडेगा।

3. इन दो सुरंगों से निकाले जाने वाला मलवा बाहर फैंक दिया जाएगा जिससे वातावरण मे चारों और धूल ही धूल हो जाएगी और लोग दमा, सिलीकोसिस, लीवर तथा कीडनी की बीमारी के मरीज हो जाऐंगे।

4. सुरंग से निकाला जाने वाला मलवा रेत, पत्थर, सीमेन्ट, रोडी व सरिया ढोने वाली हजारों गाडियों के प्रतिदिन आवा-जाही से अथाह धूल तथा धुंआ उडेगा जिससे आदमी को कई प्रकार की बीमारियां लग जाएगी और यही बीमारियां हमारी मौत का कारण बनेगी।

5. सतलुज नदी के पानी को जब सुरंगो में डाला जाएगा तो नदी के आसपास 3 डिग्री व उपर वाले क्षेत्रों में 2 डिग्री तापमान बढ जाएगा जिससे मनुष्य, पशु पक्षियों का जीवन बहुत कठिन हो जाएगा, फसलें नहीं होंगी बागवानी को भी बहुत क्षति होगी।

6. सतलुज नदी के किनारे रहने वाले तथा नदी पर निर्भर सभी स्थाई व अस्थाई ग्राम वासियों को सतलुज में आने वाली ईधन लकडी से वंचित होना पडेगा जिसका प्रयोग वह चिरकाल से करते आ रहें हैं।

7. प्रोजेक्ट के लगने से पशुओं व मनुष्य के पीने के पानी की समस्या उतपन्न हो जाएगी क्योंकि यदि थोडा पानी छोड़ भी दिया जाता है तो वह पानी अत्यन्त प्रदूषित होगा।

8. इस नदी के अन्दर रहने वाले विभिन्न प्रकार के जीव जन्तुओं का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। जिसे नदी में शेष बचा पानी प्रदूषित हो जाएगा।

नदी के किनारे रहने वाले लागों की आस्थाएं इन नदी से जूडी है क्योंकि इसके किनारे लोग शवों को जलाते हैं तथा राख व अस्थ्यिों को बहाते हैं और अंतिम संस्कार भी यहीं करते हैं।

10. टनलों के रास्ते में लगभग 5 खड्डें ऐसी हैं जिनका पानी नदी में जाता है तथा इन खड्डों के पानी को लागों ने कुल्हों द्वारा अपनी भूमि की सिंचाई के लिए ले गया है तथा इसे पीने के लिए भी प्रयोग करते हैं। इन खड्डों से सिंचाई एवं जन स्वास्थय विभाग ने पीने के पानी को लिफट भी किया है। टनलों के बनने से खड्डों का पानी रिस जाऐगा तथा पानी समाप्त हो जाएगा तथा सिंचाई एवं पीने के पानी से वंचित हो जाऐंगे।

11. कृषि बागवानी यहां के लोगों का मुख्य पेशा है। लोग अपनी जरूरत के अतिरिक्त करोडों रूपयों के सेब एवं सब्जियां बेचते हैं तथा अपनी अजीविका कमाते हैं सरकारी नौकरी में केवल 3 प्रतिशत लोग हैं । सतलुज नदी के पानी के टनल में जाने से नदी के आस पास के क्षेत्र का तापमान बढ जाएगा तथा नमी कम हो जाएगी। जिससे सेब अनाज सब्जी आदि का उत्पादन प्रभावित होगा एवं नमी के कारण बंजर हो जाएगी।

12. भूकम्प की दृष्टि से यह क्षेत्र अति संवेदनशील है जब इन पहाडों के नीचे एडिट प्वांइट तथा 9 मीटर चौडी 2 सुरगें निकलेगी तो उपर तथा आसपास के क्षेत्र के घर एवं जमीन भूकम्प के कारण हिल जाऐंगे और मकान गिर जाऐंगे तथा मानवता का जीवन प्रभावित होगा।

13. पानी से चलने वाले घराट लोगों की रोजी रोटी है। घराट चलाने के लिए पानी खड्डों , नालों से आता हैं टनल निकलने से पानी सूख जाएगा तथा घराट बन्द हो जाऐंगे जिससे लोगों का जीवन प्रभावित होगा।

14. नदी एवं खड्डों में मछली पकडने के लाईसें मतस्य विभाग ने जारी किए हैं। पानी के टनल में जाने एवं खड्डों के पानी के रिसने के कारण यह मछवारे बरोजगार हो जाऐंगे।

15 सडकों से एवं डम्पिंग साईट से इतनी अधिक धूल उठेगी कि आसापास की वनस्पति प्रभावित होगी पशुओं के चारे की अत्यन्त कमी हो जाऐगी तथा लोगों का जीवन अत्यन्त प्रभावित हो जाएगा।

16. टनलें बोरिंग एवं ब्लाटिग तरीके से निकल रही हैं। इससे 2 किलामिटर उपर एवं आसपास के क्षे़त्रों में दरारें आ जाएगी इन दरारों में बरसात का पानी घुस जाएगा तथा वन भूमि एवं निजी भूमि पर मिट्टी के बडे-बडे लहासों क़े कारण बह जाएगी जिसके कारण पर्यावरण प्रभावित होगा लोगों की कृषि बागवानी व सब्जी उत्पादन भी बहुत प्रभावित होगी ।

17. मन्दिर हमारी धरोहर है क्योंकि यह मन्दिर अति प्राचीन है। इन मन्दिरों में पूजा का पानी बावडियों से लाया जाता है। टनलों के बनने से बावडियों का पी सूख जागा जिसके कारण लोगों की आस्था प्रभावित होगी। मन्दिरों में भी दरारें आ जाऐंगी।

18. सतलुज नदी के दोनों किनारों की भूमि वनों से अच्छादित है। जिससे जलाने एवं मकान बनाने की लकडियों को हासिल करते है। इन टनलों के बनने से नमी कम हो जाऐगी तथा तापमान बढने के कारण

जंगल सूख जाऐंगे एवं जीवन तथा पर्यावरण प्रभावित होगा एवं जनता अरबों रूपये के जंगल सूख जाऐंगे।

19. जहां पहले परियोजनाओं का कार्य सम्पन्न हो चुका है। जैसे रामपुर नाथपा झाकडी परियोजना वहां पर एक नई बीमारी ने जन्म लिया है वहां पर रेत का मच्छर उत्पन्न हो गया है। जिससे वहां के लोगों को अलग तरह की बीमारी हो गई है जिसका ईलाज बहुत ही मंहगा है।

20. नदी के लगातार बहने का अपना ही महत्व है। अगर नदी को बहने से रोका गया तो इस क्षेत्र में अनेक बीमारियां फैल जाऐंगी। प्रकृति तहस नहस हो जाऐगी, लोगों के जीवन में अनेक मुसीबतें आ खडी हो जाऐगी।

21. इस बारे में जो जन सुनवाई 09/08/2011 को परलोग में करवाई गई उस समय तक लोगों को यह पता नहीं था कि सुरंग के उपर कौन – कौन से गांव प्रभावित होने वाले हैं अतः जानकारी न दिए जाने के कारण जन सुनवाई माप दडों के हिसाव से उचित नहीं है।

महामहिम महोदय जी प्रजातन्त्र में सरकार का दायित्व बनता है कि वह आम जनता की रक्षा करें परन्तु इन टनलों के निकालने से लोगों का जीवन एवं पर्यावरण अस्त-व्यस्त हो जाएगा तथा आम आदमियों के स्वास्थय में नुकसान होगा। अतः जब मानवता बचेगी तभी बिजली जला पाऐंगे।इस प्रोजेक्ट से जिला मण्डी, शिमला व कुल्लू के 30,000 परिवार बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं । उपर जो लिखा गया हैं कि यह सब कुल्लु, किन्नौर की परियोजना में हुआ है। अतः हम अपना जीवन शान्ति से जीना चाहते हैं। अतः हम इस परियोजना का विरोध करते है।, तथा जमीन के नीचे सुरंगे नहीं बननी चाहिएं सरकार या कम्पनी को इस बात का अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह हमारे जीवन की कीमत पर बिजली पैदा करें । अतः सरकार किन्हीं दूसरे विकल्पों को अपनाकर बिजली पैदा करें।

सतलुज बचाओ जन संघर्ष समिति
करसोग जिला मण्डी हि0 प्र0

प्रतिलिपि प्रेषित हैः-

1. प्रधानमंत्री भारत सरकार नई दिल्ली।
2. श्री राकेश नाथ अध्यक्ष एक्सपर्ट अप्राइजल कमेटी C.G.O. Complex नई दिल्ली।
3. संचिता जिंदल सदस्य सचिव एक्सपर्ट अप्राइजल कमेटी C.G.O. Complex नई दिल्ली।
4. समस्त सदस्य एक्सपर्ट अप्राइजल कमेटी (नदी घाटी परियोजनाएं)।
5. मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश।

क्रमसंख्या	नाम	पंचायत	हस्ताक्षर
1	इकबाल सिंह चौहान	सराईं	[illegible]
2.	संजय कुमार	मौंज	[illegible]
3.	लेख कृष्ण	रवादरा	[illegible]
4.	चैतराम	रवादरा	Chet Ram
5.	भवानी दत्त	मौंज	भवानीदत्त
6.	सत्य देव	कालीखार	सत्यदेव
7.	मान सिंह	कालीखार	मानसिंह
8.	कालीराम	कालीखार	कालीराम
9.	हिम्मत	कालीखार	[illegible]
10	श्री कप्तान मु. डी. जी चौहान	खनीला लगड़	[illegible]
11	अमृत राम	चौसीआ	अमृतराम
12	दौलत राम	ऊपरी	दौलतराम
13.	रूप सिंह	कालीखार	[illegible]
14	विनोद कुमार	मौंज	[illegible]
15.	भरत कुमार	शमशोर	[illegible]
16.	दिनेश कुमार	शमशोर	[illegible]
17.	गोपी चंद वर्मा	शमशोर	[illegible]
18	[illegible]	Bego Pallgat Chandi	[illegible]
18	[illegible]		
19	प्रकाश चन्द	Kothe	[illegible]
20	[illegible]		[illegible]
21	Kesar Singh	Shami Khorat	[illegible]
22	Keshav Singh	Nanj	[illegible]
23	Poolam Singh	Nanj	[illegible]
24.	Ghanshyam	Shakout	[illegible]
25	Dinu Chand	Nanj	[illegible]
26	Rajkumar	Nanj	[illegible]
27	Jagmohan	Nanj	[illegible]

क्रम संख्या	नाम	पंचायत	हस्ताक्षर
28	मंजू ठाकुर	सराहन	Manju Thakur
29	रूमा देवी	सराहन	R Mon Raj
30.	ममता देवी	सराहन	Mamta
31.	अंजना देवी	सराहन	Anjana
32.	कृष्णा देवी	सराहन	कृष्णा
33.	~~त्रि~~ कली देवी	कोटलू	कली देवी
34.	कौशल्या देवी	सराहन	कौशल्या देवी
35.	Ruma Devi	सराहन	Ruma Devi
36.	कमलशर्मा	सराहन	कमलशर्मा
37	Reshma Devi	सराहन	Reshma Devi
38	कुसुमदासी	सराहन	कुसुमदासी
39	सुभद्रा कुमारी	सराहन	सुभद्रा कुमारी
40	कामेश्वर शर्मा	बौंज	K Sharma
41	धर्मपाल शर्मा -	(धमाहर) चौरीधार	धर्मपाल शर्मा
42	Ram Jeevan	सराहन	रामजरा
43.	जगत राम	शलोआ	जगतराम
44	मगन लाल	सराहन	मगन लाल
45	देवराज	शाहोट	देवराज
46	अमन लाल	सराहन	Aman Lal
47	Ved Thakur	Sarahan	Ved Thakur
48	Ghanshyam	धना लाणा	घनश्याम
49	श्रीराम	खादरा G.P	श्रीराम
50	D Sharma		D Sharma
51	Neem Chand	सराहन	नीम चंद
52	Raj K	नाबु	राजकुमार
53	Sunder Lal	स्याणा	सुन्दर लाल
54	[illegible]	स्याठ	लक्ष्मी दत्त शर्मा

क्रम संख्या		नाम	पंचायत	हस्ताक्षर
28	55 -	Anup Ram	Shahot	[signature]
29	56 -	Dharam Dass	Shahot	[signature]
30	57 -	Ranjeet Thakur	Mamail	R Thakur
31	58	हिरा सिंह गौत	मवली	
31	59	मैना वती	नांज	मैना वती
32	60	तार वती	नांज	तारा वती
33	61	सन्तोष	नांज	[signature]
34.	62	SATENDER KUMAR	SHAHOT	[signature]
35	63	Jitender Kumar	Nanj	[signature]
36	64	Satya Devi	Nanj	[signature]
37	65	Lata Devi	कोटलू	Lata Devi
38	66	Reena	कोटलू	Reena
		कान्ता देवी	कोटलू	कान्ता देवी
39	67	कौशल्या	कोटलू	कौशल्या देवी
	68	सुगोन्द्रा	शाहुट	सुगोन्द्रा
40	69			[signature]
41	70	Pramila Verma	Shahot	
42	71 -	विमला देवी	शाहोट	विमला देवी
43	72 -	पुतली देवी	शाहोट	पुतली
44	73 -	मुकता देवी	करसोग	mukta
45	74	Sumitra	करसोग	sumitra
46	75	Lajja	करसोग	Lajja
47	76 -	Kali Devi	Karsog	Kali Devi
48	77 -	भगत सिंह	करसोग	भगत सिंह
49	78 -	कुलराम सिंह	नांज	कुलराम सिंह
50	79 -	हीरा लाल	तेवन	[signature]
51	80 -	मोसूराम	तेवन	मोसूराम
52	81 -	रजनी देवी	सराहन	रजनी देवी